# পাঠ
# पाठ 7

## এনাজৰী

মিচেচ শম্পকীয়াঃ এয়া মিচেচ পাণ্ডে যে! আপোনালোক নগাওঁলৈ কেতিয়া আহিল?

মিচেচ পাণ্ডে : আমি যোৱা মাহত স্পয়ালৈ আহিলোঁ। আপোনাৰ ভাল নে?

মিচেচ শম্পকীয়াঃ আছোঁ আৰু একপ্ৰকাৰ। ঘৰটো কাৰ বাৰু?

মিচেচ পাণ্ডে : কোনোবা বিকাশ বৰুৱাৰ। ঘৰৰ কাম পূৰা হোৱা নাম্প। আমি জোৰকৈ ললোঁ।

মিচেচ শম্পকীয়াঃ হয় নেকি? কেনে পাম্পছে বাৰু?

মিচেচ পাণ্ডে : ভালেম্প। আহক ভিতৰলৈ। ঐ বিনয়, কলৈ গলি অ? দুকাপ চাহ আন।

মিচেচ শম্পকীয়াঃ আপুনি ভাল

## मित्रता का बंधन

श्रीमती साइकिया : ओ! श्रीमती पांडे हैं (क्या)? आप नगांव कब आईं?

श्रीमती पांडे : मैं पिछले महीने यहाँ आई। आपके यहाँ सब ठीक हैं न?

श्रीमती साइकिया : हाँ, सब ठीक ही हैं। यह घर किसका है?

श्रीमती पांडे : किसी विकास बरुआ का है। घर का काम पूरा नहीं हुआ था। हम ने जोर जार कर ले लिया है।

श्रीमती साइकिया : ऐसा है क्या! पर ज्यादा दिक्कत तो नहीं है?

श्रीमती पांडे : आइए, अंदर आइए। अरे विनय! तू कहाँ है? दो कप चाय ला।

श्रीमती साइकिया : आप अच्छी असमिया

অসমীয়া কৈছে।

মিচেচ পাণ্ডে : অলপ অচৰপ কওঁ আৰু। বিনয়ৰ পৰাম্প শিকিছোঁ। চুবুৰীয়া মানুহ কেম্পঘৰো ভাল। সকলোৱে সহায় কৰে।

মিচেচ শম্পকীয়াঃ হয় নেকি?

মিচেচ পাণ্ডে : এম্প 'আদিপাঠ'খন মিচেচ নাথে দিলে। মিচেচ চহৰীয়াৰ পৰা দুটা গীতো শিকিলোঁ।

মিচেচ শম্পকীয়াঃ বৰ আনন্দৰ কথা। এফাঁকি গীত গাওকনা, শুনোঁ।

মিচেচ পাণ্ডে : ভালকৈ নোৱাৰোঁ। তথাপি গাওঁ বাৰু।

জীৱন এঁটি
শেষ নোহোৱা
মধুৰ সাধুকথা,
ওঁঠৰ হাঁহি, চকুৰ পানী
আঁহে আঁহে গঁথা।

বিনয় : বাম্পদেউ, চাহ।

बोल रही हैं।

श्रीमती पांडे : थोड़ा बहुत बोल लेती हूँ। विनय से ही सीख लिया है। पड़ौसी भी भले हैं। सभी सहायता करते हैं।

श्रीमती साइकिया : यह तो बहुत अच्छी बात है।

श्रीमती पांडे : मुझे यह 'आदिपाठ' श्रीमती नाथ ने दिया है। श्रीमति सहरिया से दो गीत भी सीख लिए हैं।

श्रीमती साइकिया : बड़ी खुशी की बात है। एक पंक्ति गुनगुनाइए न! हम सुने।

श्रीमती पांडे : ठीक से नहीं आता है, फिर भी गाती हूँ।

यह जीवन
समाप्त न होने वाली
मधुर कहानी है।
होठों की हँसी
आँख के आँसू
दूर तार वाणी है।

विनय : दीदी ! चाय।

श्रीमती पांडे : खाली चाय? मिठाई नहीं लाया?

विनय : ला रहा हूँ, दीदी।

श्रीमती पांडे : आप लोग हिन्दी बोलते

| | | |
|---|---|---|
| মিচেচ পাণ্ডে | : খালি চাহ দিলি। মিঠাম্প নানিলি? | हैं, हमें खुशी होती है। मैं असमिया बोलती हूँ, आप लोग खुश होते हैं। इसी ने हमें जोड़ कर रखा है। |
| বিনয় | : আনি আছোঁ বাম্পদেউ। | |
| মিচেচ পাণ্ডে | : আপোনালোকে হিন্দী কয়। আমি আনন্দ পাওঁ। আমি অসমীয়া কওঁ। আপোনা-লোকে ভাল পায়। সেয়াম্প আমাক এক কৰিছে। | |

## शब्दार्थ

| असमिया शब्द | अर्थ |
|---|---|
| কেতিয়া | कब |
| আহিল | आए |
| আহিলোঁ | आई (हूँ) |
| প্ৰকাৰ | तरह |
| কোনোবা | कोई |
| কাম | काम |
| পূৰা | संपूर्ण |
| জোৰ | ज़ोर/दबाव |
| পাম্পছে | (आपको) मिल गया है |
| ভিতৰলৈ | अन्दर |
| কলৈ | किधर |

| | |
|---|---|
| গলি | गई |
| কৈছে | बोल रहे हैं |
| অলপ অচৰপ | थोडा बहुत |
| শিকিছোঁ | सीख रहा हूँ |
| চুবুৰীয়া | पड़ौसी |
| সকলোৰে | सभी लोग |
| গীতো | गीत भी |
| ভালকৈ | ठीक से |
| শেষ নোহোৱা | समाप्त नहीं होने वाली |
| সাধুকথা | कहानी, लोक कथा |
| ওঁঠৰ | होंठ का, ओठ का |
| হাঁহি | हँसी |
| চকুৰ | आँख का |
| পানী | पानी |

## अभ्यास

**I.** एक वाक्य में उत्तर दीजिए:

1. পাণ্ডেহঁত নগাওঁলৈ কেতিয়া আহিল?
2. পাণ্ডেহঁতৰ ঘৰটো কাৰ বাৰু?
3. ঘৰৰ কাম পূৰা হৈছে নে?
4. মিচেচ পাণ্ডেক কোনে 'আদিপাঠ'খন দিলে?
5. তেওঁ কাৰ পৰা গীত শিকিলে?
6. বিনয়ে চাহৰ লগত মিঠাপ্প দিলে নে?
7. মিচেচ পাণ্ডে অসমীয়া কয় নে?

8. মিচেচ পাণ্ডেক কোনে সহায় কৰে?

9. মিচেচ পাণ্ডেৰ ওচৰ চুবুৰীয়া মানুহবোৰ কেনে?

10. বিনয়ে মিচেচ শৰ্ম্মাৰ কাৰণে কি আনিলে?

**II. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।**

**उदाहरण:**

(क) আপোনালোক নগাৱলৈ কেতিয়া আহিল?

→ তহঁত নগাৱলৈ কেতিয়া আহিলি?

1. আপুনি কলৈ গ'ল?
2. আপুনি কাৰপৰা অসমীয়া শিকিলে?
3. আপুনি এফাঁকি গীত গাওক।
4. আপুনি কিয় মিঠাই নানিলে?
5. আপোনালোকে এই কিতাপখন কেনে পালে?

(খ) তই চাহ আনিলি।

→ মই চাহ আনিলোঁ।

1. তই স্কুললৈ গলি।
2. তই চাহ নানিলি।
3. তই মিচেচ চহৰীয়াৰ পৰা গীত শিকিলি।
4. আপুনি জোৰকৈ ঘৰটো ললে।
5. মিচেচ নাথে মিচেচ পাণ্ডেক 'আদিপাঠ' এখন দিলে।

(গ) তই চাহ আনিলি।

→ তই চাহ নানিলি।

1. তই মিঠাই আনিলি।
2. তেওঁ সাধুকথা কলে।

3. मস্প ঘৰলৈ গলোঁ।

4. চুবুৰীয়া মানুহে আমাক সহায় কৰিলে।

5. তেখেতে মোক কিতাপখন দিলে।

6. আমি গীত শুনিলোঁ।

**III.** कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. ঘৰৰ কাম পূৰা ______ নাম্প। (হোৱা, হয়)
2. এম্প ঘৰটো ______ বিকাশ বৰুৱাৰ। (কোনো, কোনোবা)
3. মস্প অসমীয়া অলপ ______ কওঁ। (চলপ, অচৰপ)
4. মিচেচ নাথে মোক এম্প ______ দিলে। (কিতাপটো, কিতাপখন)
5. মিচেচ ______ মোক 'আদিপাঠ'খন দিলে। (নাথ, নাথে)

**IV.** कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उपयुक्त रूपों से वाक्य पूरे कीजिए।

1. আমি স্পয়ালৈ কালি ______। (আহ)
2. আপোনালোক এম্পটো ঘৰলৈ যোৱাকালি ______নেকি ? (আহ)
3. তেওঁ মোক 'আদিপাঠ'খন ______ । (দি)
4. আমি ঘৰটো জোৰকৈ ______ । (ল)
5. মস্প তেওঁৰ পৰা দুটা গীত ______। (শিক)

**V.** उदाहरण के अनुसार वाक्यांश मिला कर सही वाक्य बनाइए।

**उदाहरण**

(ক) বৰ আনন্দৰ : সাধুকথা

(খ) জীৱন এটি মধুৰ : কিতাপ

: কথা

→ (ক) বৰ আনন্দৰ কথা।

→ (খ) জীৱন এটি মধুৰ সাধুকথা।

1. চুবুৰীয়া মানুহ : হাঁহি

2. মধুৰ এফাঁকি : গীত
3. ছোৱালীৰ চকুৰ : পানী
4. মানুহৰ ওঁঠৰ : কেম্পঘৰ
5. শেষ নোহোৱা : সাধুকথা
: জীৱন

**VI. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।**

**उदाहरण:**

আপোনালোক কেতিয়া আহিল অসমলৈ

→ আপোনালোক কেতিয়া অসমলৈ আহিল?

1. চাহ দুকাপ বনোৱা তুমি
2. ভাল চুবুৰীয়া খুওব আমাৰ
3. অন্তহীন জীৱনটো এটা কাহিনী
4. কৰি জোৰ লৈ ললোঁ মম্প

**VII. विस्तार से उत्तर दीजिए।**

1. শ্ৰীমতী পাণ্ডেৰ বিষয়ে দুম্প চাৰি শাৰী বাক্য লিখক।
2. শ্ৰীমতী শম্পকীয়াৰ বিষয়ে তিনি চাৰি শাৰী বাক্য লিখক।
3. ভিন্ন ভাষী মানুহক এক জোঁ কৰাত কি কি বিষয়ে সহায় কৰে?

## पढ़िए और समझिए।

### যোৱাকালিৰ কথা

শিক্ষকে অনিলক হোমৱৰ্কৰ বিষয়ে সুধিলে। সি তলমূৰ কৰিলে। কাৰণ সি অঙ্ক কেম্পা কৰিব নোৱাৰিলে। অঙ্ক কেম্পা দৰাচলতে বেচান। তাৰোপৰি সি যোৱা দেওবাৰে সমনীয়াৰ

লগত চিৰিয়াখানালৈ গ'ল। চিৰিয়াখানা চহৰৰ ভিতৰতে। সিহঁত অ'ৰে চিৰিয়াখানালৈ গ'ল। তাত সিহঁতে বাঘ, হাতী, জেব্ৰা, সিংহ, ভালুক, ময়ূৰ আদি নানান জীৱজন্তু দেখিলে। সিহঁতে ঘৰিয়াল, অজগৰ আৰু বহুত চৰাম্প চিৰিকতি দেখিলে।

অনিলহঁতে চিৰিয়াখানা ভালেম্প পালে। তাত সিংহটোৱে এবাৰ হঠাতে খুব জোৰেৰে গোজৰণি মাৰিলে। সিহঁত ভয়তে দৌৰিলে। সিহঁত আৰু তাত নাথাকিল। সিহঁত এখন চাহৰ দোকানত সোমাল আৰু চাহ মিঠাম্প খালে। আবেলি সিহঁত বাছেৰে উভতি আহিল। অনিলে শিক্ষকক সুধিলে, 'আপুনি যোৱাকালি কেনি গ'ল?'

শিক্ষকে কলে, "মম্প ল'ৰা-ছোৱালী কেম্পাক বজাৰলৈ নিলোঁ। সিহঁতৰ সাজ-পোচাক কিনিলোঁ। নুমলীয়া ল'ৰাটোৰ কাৰণে কিছুমান খেলনা চালোঁ। কিন্তু নিকিনিলোঁ। কাৰণ বস্তুবোৰৰ দাম বৰ বেছি। তাৰোপৰি বস্তুবোৰ বেয়া।' এনেতে প্ৰধান শিক্ষক সেম্পপিনে আহিল। শিক্ষকে কলে, 'কথা চোবাবলৈ বাদ দিয়া। গণিতৰ বহী বাহিৰ কৰা।' সকলোৱে এম্পবাৰ অংকৰ বহী উলিয়ালে।

## नये शब्द

| असमिया शब्द | हिन्दी अर्थ |
|---|---|
| বিষয়ে | के विषय में |
| তলমূৰ ক্ৰিলে | सिर झुकाना |
| দৰাচলতে | दर असल |
| বহী | खाता, बही, नोटबुक |
| নোৱাৰিলে | न कर पाए |
| ৌন | कठिन |
| সমনীয়া | दोस्तों |
| চিৰিয়াখানা | चिड़ियाघर |
| কিহেৰে | किस (वाहन) से |

সিংহ
জেব্ৰা
ভালুক
ময়ূৰ
ঘৰিয়াল
অজগৰ
চৰাম্প চিৰিকতি
গোজৰণি
দেখিলোঁ
ভয়তে
দৌৰিলোঁ
আবেলি
উভতি আহিল
নাথাকিলোঁ
সোমালোঁ
বজাৰ
কেনি
সাজ-পোচাক
নুমলীয়া
খেলনা
বেয়া
কাৰণ
তাৰোপৰি
কথা চোবাবলৈ
বাদ দে

सिंह
जेब्रा
भालू
मोर
मगरमच्छ
अजगर
चिड़िया
सिंह की दहाड़
देखा
भय से
भाग गया
शाम के समय
लौटकर आया
नहीं रुकना
(अंदर) गया
बाज़ार
कहाँ
वेश-भूषा
कनिष्ठ/छोटा
खेलना
खराब
कारण
इसके अलावा
बातें बनाना
छोड़ो
गणित

गणित

## अभ्यास

**I.** एक वाक्य में उत्तर दीजिए ।

1. অনিল কালি কেনি গ'ল?
2. চিৰিয়াখানাত সিংহটোৱে কি কৰিলে?
3. অনিলে ভয়তে কি কৰিলে?
4. সিংহটোৱে অনিলক আঁচুৰিলে নে?
5. শিক্ষকে ল'ৰাহঁতৰ কাৰণে কি কিনিলে?
6. শিক্ষকে কিয় খেলনা নিকিনিলে?
7. চিৰিয়াখানালৈ অনিলহঁত কেনেকৈ গ'ল?

**II.** पाठ के आधार पर रिक्त स्थान की पूर्ति कर वाक्य बनाइए।

1. সিংহটোৱে জোৰেৰে ________ মাৰিলে।
2. মম্প ভয়তে ________ ।
3. শিক্ষকে ল'ৰাহঁতৰ ________ কিনিলে।
4. তেওঁ ল'ৰাটোৰ কাৰণে খেলনা চালে ________ ?
5. অঙ্ককেম্পা বৰ ________ আছিল।
6. আমি এখন দোকানত ________ ।
7. দোকানৰ খেলনাবোৰ ________ ।

**III.** हिंदी में अनुवाद कीजिए :

দেওবাৰে আমি কাজিৰঙালৈ গলোঁ। আমি বহুত জীৱ-জন্তু দেখিলোঁ। কিন্তু আমি সিংহ নেদেখিলোঁ। আমি তাত দিনটো কটালোঁ। কিন্তু তাত ৰাতি নাথাকিলোঁ। ৰাতিটো চুমোৰে উভতিলোঁ।

## IV. असमिया में अनुवाद कीजिए :

मेहरा जी छात्रों के साथ बाज़ार गए। उन्होंने पिकनिक के लिए बहुत सारा सामान खरीदा। उन्होंने अपने बच्चों के लिए कुछ नहीं खरीदा। वापस जाते समय सबने एक रेस्टोरेंट में चाय पी। दीपक की तबीयत खराब थी। इसलिए उसने कुछ नहीं खाया।

## टिप्पणियाँ

**1.** भूत काल वाचक प्रत्यय -ম্পল্ (-इल्)/ -ল (-ल) : यह असमिया भाषा का साधारण भूत काल वाचक प्रत्यय है। व्यंजनांत धातु के साथ -ম্পল্ (-इल्) और स्वरांत धातु के साथ -ল (-ल) जोड़ा जाता है। इसके बाद पुरुष वाचक विभक्ति जोड़ी जाती है। जैसे --

মম্প আহ + -ম্পল্ + -ওঁ > আহিলোঁ

আমি খা + -ল্ + -ওঁ > খালোঁ

**2.** मध्यम पुरुष की विभक्ति : भूत काल में मध्यम पुरुष (तुच्छार्थ में) -ম্প (-इ) युक्त होता है। नित्य वर्तमान में जो विभक्ति लगती है वही भूत काल में भी (आदरार्थ और सम्मानार्थ में) लगती है। जैसे --

তম্প আন + -ম্পল্ + -ম্প > আনিলি

আমি খা + -ল্ + -ম্প >খালি

**3.** যা- (जा-) : जा- धातु का रूप भूत काल में हिन्दी के समान ही होता है। যা- (जा-) बदलकर গ- (ग-) हो जाता है। গ- (ग-) के साथ कालवाचक प्रत्यय का प्रयोग होता है। जैसे --

মম্প যা- > গ- + -লোঁ > গলোঁ

সি যা- > গ- + -ল > গ'ল

**4.** अन्य पुरुष की विभक्ति : भूत काल में अन्य पुरुष की विभक्ति वर्तमान काल की विभक्ति से अलग है। केवल सकर्मक क्रिया के साथ -এ (-ए) का प्रयोग होता है। जैसे --

সি কৰ + -স্পল্ + -এ > কৰিলে

সি খা + -ল্ + -এ > খালে

সি আহ + -স্পল্ + -Ø > আহিল

5. पार- धातु कि विशेषता : 'পাৰ-' (पार-) धातु का नेतिवाचक रूप (नोवार-) होता है और इसके साथ ही कालवाचक विभक्तियों का प्रयोग होता है। जैसे --

পাৰোঁ > নোৱাৰোঁ

পাৰিলোঁ > নোৱাৰিলোঁ

পাৰিলি > নোৱাৰিলি

6. -না (-ना) : आज्ञावाचक क्रिया के साथ -না (-ना) का प्रयोग करने पर अनुरोध में नम्रता और आदेश का बोध होता है।

7. বাক্যৰ আৰ্হিৰ বিষয়ে (वाक्य के गठन के बारे में) : इस पाठ में विद्यार्थियोंको साधारण भूत काल में प्रयोग में आने वाले वाक्योंसे परिचित करवाया गया है। इसके अलावा 'পাৰ-' (पार-) धातु का नेतिवाचक रूप में प्रयोग भी सिखाया गया है।